मेडिका कैंसर अस्पताल ने शुरू की नियमिति स्क्रीनिंग

लाइलाज बीमारी नहीं है कैंसर : डॉ चौधरी

सिलीगुड़ी. सिर व गला, गर्भाशय और स्तन कैंसर की अगर प्रारंभिक अवस्था में ही पहचान हो जाये, तो उससे पीड़ित 80 प्रतिशत मरीज ठीक हो जाते हैं. यह बीमारी लाइलाज नहीं है.रोग की जल्द पहचान और उपचार में नियमित कैंसर स्क्रीनिंग बेहद मददगार साबित हो सकती है. यह जानकारी मेडिका कैंसर अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर पंकज चौधरी ने दी. वह आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि मेडिका कैंसर अस्पताल उत्तर बंगाल में कैंसर की पहचान और उपचार के लिए के लिए समर्पित एकमात्र हेल्थकेयर संस्थान है. उत्तर बंगाल और आसपास के क्षेत्र में इस क्रमी को दूर करने के लिए हम समुदाय आधारित कैंसर स्क्रीनिंग शिविरों की शुरूआत करने जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हेल्थकेयर सुविधाओं से युक्त, मेडिका कैंसर अस्पताल सिलीगुड़ी से महज 14 किलोमीटर दूर रंगापानी में स्थित है. इस अस्पताल में कैंसर की पहचान और इलाज के लिए जरूरी सर्जिकल ऑकोलॉजी, रेडिएशन ऑकोलॉजी, मेडिकल ऑकोलॉजी के साथ-साथ प्रशामक उपचार जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध है.उन्होंने बताया कि सीटी स्कैन और अल्ट्रासोनोग्राफी सरीखी इमेजिंग सुविधाओं सहित ये तमाम सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध है. अस्पताल के प्रबंधन की बागडोर कोलकाता के प्रतिष्ठित अस्पताल समूह, मेडिका हॉस्पीटल्स के हाथों में है, जिसका संचालन हेल्थकेयर विशेषज्ञों का एक ऐसा समूह करता है, जिसे सुपरस्पेशलिटी और मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल चलाने में महारत हासिल है. समूह के अस्पताल पश्चिम बंगाल (कोलकाता और सिलीगुड़ी), झारखंड (जमशेदपुर और रांची) और असम (तिनसुकिया) में अपनी सेवाएं दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि जल्द ही हम ओडिसा और बिहार में भी परिचालन शुरू करने जा रहे हैं. अगले साल तक गोपालपुर, कालिंगनगर और पटना में भीं हम अस्पताल शुरू करने का प्रयास कर रहे हैं. कम कीमत में गुणवत्तापूर्ण देखभाल की मिसाल पेश कर चुका मेडिका अस्पताल समूह समूचे पूर्वी क्षेत्र में विश्वस्तरीय हेल्थकेयर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है. मेडिका कैंसर अस्पताल का उद्देश्य कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रमों और निशुल्क कैंसर पहचान शिविरों के जरिये क्षेत्र के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना है, ताकि रोग की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के चंगुल से मुक्त कराया जा सके. सिलीगुड़ी और आसपास रहने वाले कैंसर संभावित अथवा पीड़ित मरीजों को अस्ताल लाने-ले जाने के लिए अस्पताल एम्बुलेंस सुविधा प्रदान करेगा, ताकि तत्काल उनका इलाज शुरू किया जा सके. इस अवसर पर डॉ. सलील दत्ता, डॉ. सोमा घोष, डॉ. सौरभ गुहा, डॉ. सैलेस कुमार झा आदि भी उपस्थित थे.